Today's Poem – 16.06.2014

अब हमें सम्पूर्ण बनना

क्योंकि वापिस घर जाना

फिर पावन दुनिया में आना

पूरा बेगर बनना

देह के सब सम्बन्ध भूलना

बाप समान ज्ञान का सागर, शान्ति का सागर अभी ही बनना

आत्मा को सतोप्रधान बनाना

प्रसन्नचित रहना

अभिमान को त्यागना

परमात्म प्यार के झूले में झूलना

मेरा बाबा

ॐ शान्ति !!!